vinetur

इतालवी उपभोक्ताओं में टिकाऊ वाइन की मांग बढ़ी, Nomisma के अध्ययन में खुलासा

अध्ययन के मुताबिक, 18% उपभोक्ता अगले 12 महीनों में टिकाऊ वाइन की खरीद बढ़ाने की उम्मीद करते हैं

बुधवार, 11 नवंबर 2026



Nomisma के नवीनतम Wine Monitor अध्ययन के अनुसार, इतालवी उपभोक्ता टिकाऊ वाइन में अधिक रुचि दिखा रहे हैं और इसके लिए ज्यादा कीमत चुकाने की इच्छा भी बढ़ी है। यह अध्ययन Valoritalia के साथ तैयार किया गया और मंगलवार, 10 नवंबर को जारी हुआ।

अध्ययन से संकेत मिलता है कि इटली में खाद्य उत्पादों की खरीद के दौरान टिकाऊपन का महत्व बढ़ा है, हालांकि खरीद के फैसलों में कीमत अब भी सबसे अहम है। Nomisma के मुताबिक, 83% प्रतिभागियों ने खाद्य उत्पाद चुनते समय कीमत को महत्वपूर्ण मानदंड बताया। इसके बाद 74% ने इतालवी मूल और 68% ने टिकाऊपन को अहम माना। टिकाऊपन को दिया जाने वाला महत्व 2020 से 13 प्रतिशत अंक बढ़ा है।

वाइन के मामले में यह बदलाव जोर पकड़ता दिख रहा है। Nomisma ने बताया कि अब 12% उपभोक्ता टिकाऊ वाइन खरीदते हैं, जो 2025 से 2 प्रतिशत अंक अधिक है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि खरीदारी के समय 27% उपभोक्ता जैविक या टिकाऊ उत्पाद का लोगो देखने के लिए लेबल जांचते हैं।

वाइन कारोबार के लिए यह अहम है, क्योंकि इससे ऐसे उपभोक्ता वर्ग का संकेत मिलता है जिसकी सोच ही नहीं, खर्च करने का व्यवहार भी बदल रहा है। उत्पादकों और वितरकों के पास प्रमाणित लेबल वाली वाइन की कीमतें बनाए रखने और टिकाऊपन से जुड़े प्रमाण-पत्रों में निवेश करने की अधिक गुंजाइश हो सकती है। वहीं, कुछ निचली श्रेणियों में कमजोर प्रदर्शन से इस क्षेत्र के कुछ हिस्सों को कीमतों, प्रमाणन और उत्पाद-मिश्रण पर फिर से विचार करना पड़ सकता है।

Nomisma ने बताया कि 18% प्रतिभागियों को उम्मीद है कि वे अगले 12 महीनों में टिकाऊ वाइन की खरीद बढ़ाएंगे, जबकि 5% को इसमें कमी आने की आशंका है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि ऊंची कीमतों को लेकर उपभोक्ताओं का विरोध कम हुआ है। लगभग 9% प्रतिभागियों ने कहा कि वे टिकाऊ वाइन के लिए 10% अधिक खर्च करने को तैयार होंगे। अन्य 36% ने कहा कि वे ज्यादा कीमत देंगे, लेकिन 10% से अधिक नहीं ; वहीं 31% ने 5% तक का अतिरिक्त मूल्य चुकाने की बात कही। सर्वेक्षण में शामिल 25% लोगों ने कहा कि वे कुछ भी अतिरिक्त नहीं देंगे।

अध्ययन के लेखक और Nomisma के विश्लेषक Denis Pantini ने कहा कि वाइन बाजार में अनिश्चितता के बावजूद उपभोक्ता टिकाऊपन पर लगातार ध्यान दे रहे हैं। यह रुचि केवल बोतल तक सीमित नहीं, बल्कि उत्पादक और उस इलाके तक भी जाती है जहां वाइन बनाई जाती है। अध्ययन के अनुसार, वाइन पर्यटन में भी यही रुचि दिखती है : छुट्टी की जगह चुनते समय हर तीन में से दो इतालवी टिकाऊपन को महत्वपूर्ण मानते हैं।

उपभोक्ताओं के लिए टिकाऊ वाइन की धारणा सबसे पहले अंगूर के बागों में अपनाई जाने वाली प्रथाओं से जुड़ी है। Nomisma ने बताया कि खरीदार खरपतवारनाशकों के इस्तेमाल से बचने और फसल-सुरक्षा रसायनों के उपयोग को सीमित रखने को महत्व देते हैं। लेकिन सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि उनका ध्यान खेती के तरीकों तक सीमित नहीं है। प्रतिभागियों के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि वाइनरी कचरा घटाएं, ऊर्जा का उपयोग कम करें और पानी की खपत घटाएं।

इन निष्कर्षों की पृष्ठभूमि में ऐसा बाजार है जहां मात्रा के लिहाज से दबाव बना हुआ है। संरक्षित मूल पदनाम वाली वाइन को प्रमाणित करने वाली Valoritalia ने बताया कि जनवरी से सितंबर 2026 के दौरान इटली में बोतलबंद वाइन की मात्रा साल-दर-साल 3% घटकर 9.86 मिलियन हेक्टोलिटर रह गई।

यह गिरावट सभी श्रेणियों में समान नहीं थी। अध्ययन में उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, DOC वाइन में गिरावट केवल 0.5% रही, जबकि DOCG वाइन 0.2% नीचे रही। तीसरी तिमाही में दोनों श्रेणियों ने फिर वृद्धि दर्ज की। इसके उलट, IGT वाइन में कहीं तेज गिरावट आई और 2026 के पहले नौ महीनों में मात्रा 13% कम रही। जुलाई से सितंबर के दौरान IGT की बोतलबंदी में गिरावट बढ़कर 18.9% हो गई।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि गुणवत्ता के मामले में मजबूत पहचान और मूल स्थान की स्पष्ट गारंटी वाली वाइन की मांग बेहतर बनी हुई है, जबकि गुणवत्ता-पिरामिड के निचले स्तर पर कमजोरी अधिक स्पष्ट है। वाइन से जुड़े पेय कारोबारों के लिए यह रुझान शुरुआती और मध्य-स्तर के उत्पादों के पोर्टफोलियो के प्रबंधन को प्रभावित कर सकता है, खासकर तब जब उपभोक्ता कथित गुणवत्ता और पर्यावरणीय दावों को साथ रखने वाले लेबल को प्राथमिकता देते रहें।

अध्ययन इटली के वाइन संरक्षण कंसोर्टिया की बढ़ती भूमिका की ओर भी इशारा करता है। ये संगठन अपील्लेशन का प्रतिनिधित्व और संरक्षण करते हैं। Nomisma के अनुसार, उपभोक्ता इन निकायों को भरोसेमंद और विश्वसनीय मानते हैं। EU Regulation 2024/1143 के तहत उनकी भूमिका और बढ़ने की उम्मीद है। यह विनियम उन्हें वाइन आपूर्ति शृंखलाओं के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने की पहलों को बढ़ावा देने और उनमें समन्वय

की जिम्मेदारी देता है।

इस ढांचे के तहत, कंसोर्टिया टिकाऊ प्रथाओं पर सहमति बना सकते हैं, जिनमें मौजूदा कानूनी आवश्यकताओं से आगे जाने वाले मानक भी शामिल हैं, और उत्पादकों को इन्हें अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। यदि किसी अपील्लेशन के सभी उत्पादकों के लिए ये प्रथाएं अनिवार्य हो जाती हैं, तो उन्हें उत्पादन नियमों में शामिल करना होगा। यह विनियम कंसोर्टिया को सत्यापन योग्य जानकारी के आधार पर स्वैच्छिक टिकाऊपन रिपोर्ट तैयार करने और उन्हें अद्यतन करने की अनुमति भी देता है। साथ ही, वे सूचना, प्रशिक्षण और जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां कर सकते हैं।

सर्वेक्षण के अनुसार, इसमें शामिल सभी कंसोर्टिया ने या तो स्थानीय हितधारकों, जैसे सार्वजनिक प्राधिकरणों और पर्यटन संचालकों, के साथ समन्वय प्रक्रिया शुरू कर दी है या अगले 12 महीनों में शुरू करने की योजना बनाई है। वे इन प्रयासों में खुद को समन्वय केंद्र के रूप में देखते हैं। उत्पादन नियमों में शामिल करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने गए कदमों में पौधों के स्वास्थ्य, मिट्टी और जैव विविधता से जुड़े पर्यावरणीय उपायों के साथ-साथ आचार संहिता और रोजगार तथा स्थानीय विकास को बढ़ावा देने वाली पहलें शामिल हैं।